2019

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

This question paper contains **4** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **1978**

Unique Paper Code : **62051102**

Name of the Paper : **M.I.L. Hindi Bhasha Aur Sahitya; Hindi (A)**

Name of the Course : **B.A. (Programme) CBCS**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए

(क) जैसी मुष तें नीकसैं, तैसी चालै नाहिं।
मानिष नहीं ते स्वान गति, बांध्या जमपुर जाँहि॥
जाँनि बूझि साचहि तजै, करैं झूठ सूँ नेह।
ताको संगति राम जी, सुपिनै हो जिनि देहु॥

अथवा

मण थें परस हरि रे चरण।
सुभग सीतल कँवल कोमल, जगत ज्वाला हरण।
जिण चरण प्रहलाद परस्याँ, इन्द्र पदवी धरण।

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha

जिण चरण ध्रुव अटल करस्याँ, सरण असरण सरण।

जिण चरण ब्रह्माण्ड भेट्याँ, नखसिखाँ सिरी धरण।

जिण चरण कालियाँ नाथ्याँ, गोप-लीला करण।

जिण चरण गोबरधन धारयाँ, गरब-गरब मधवा हरण।

दासि मीराँ लाल गिरधर, अगम तारण तरण॥

(ख) नीच हियैं हुलसे रहैं गहे गेंद के पोत।

ज्यौं ज्यौं माथैं मारियत, त्यौं त्यौं ऊँचे होत।

मरतु प्यास पिंजरा परयो सुआ समै के फेर।

आदरू दै दै बोलियतु बाइसु बलि की बेर॥

अथवा

पहिलें घनआँनद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अती प्यार पगी।

अब लाय वियोग की लाय बलाय बढ़ाय बिसास-दगानि दगी।

अँखियाँ दुखियानि कुबानि परी न कहूँ कौन घरी सु लगी।

मति दौरि थकी न लहै ठिक ठौर अमोही के माहे-मिठास ठगी।

(ग) हा ! बन्धुओं के ही करों से बन्धु-गण मारे गये !

हा ! तात से सुत, शिष्य से गुरु स-हठ संहारे गये।

इच्छा-रहित भी वीर पाण्डव रत हुए रण में अहो।

कर्त्तव्य के वश विज्ञ जन क्या-क्या नहीं करते कहो ?

अथवा

असंख्य कीर्ति-रश्मियाँ,

विकीर्ण दिव्य दाह-सी।

सपूत मातृभूमि के

रुको न शूर साहसी

अराति सैन्य सिन्धु में-सुवाड़वाग्नि-से जलो।

प्रवीर हो जयी बनो-बढ़े चलो, बढ़े चलो॥ 3×10=30

2. किसी **एक** कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए : 10

(क) मैथिलीशरण गुप्त

(ख) जयशंकर प्रसाद

3. 'कबीर एक समाज सुधारक कवि हैं' विचार कीजिए।

अथवा

मीरा की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए। 10

4. 'बादल को घिरते देखा है' कविता का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'मेरे नगपति मेरे विशाल' कविता की काव्य भाषा पर प्रकाश डालिए। 10

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 3×5=15

(क) आधुनिक भारतीय भाषाओं का विकास

(ख) संत काव्यधारा

(ग) द्विवेदीयुगीन कविता

(घ) प्रगतिवाद

(ङ) प्रयोगवाद

(च) नयी कहानी।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvid

2019

This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper	: **1979**
Unique Paper Code	: **62051103**
Name of Paper	: **Hindi (B)**
Name of Course	: **B.A. (Prog.)**
Semester	: **I**
Duration	: **3 hours**
Maximum Marks	: **75**

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माहि।
ऐसे घट-घट राम हैं, दुनिया देखै नाहि।।

अथवा

बहुत कीन्ह प्रभु लखन सियँ नाहिं कछु केवटु लेइ।
बिदा कीन्ह करुनायतन भगति बिमल वरु देइ।।

(ख) बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सोहैं करैं भौंहनु हंसै, दैन कहैं नटि जाइ।।

अथवा

सजि चतुरंग-सैन अंग में उमंग धारि, सरजा सिवाजी जंग
जीतन चलत हैं।
भूषन भनत नाद-बिहद नगारन के, नदी नद मद गैबरन के
रलत हैं।

P. T. O.

downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at Student

ऐल फैल खैल भैल खलक में गैल-गैल, गजन की ठैलपैल
सैल उसलत हैं।
तारा सो तरनि धूरिधारा में लगत जिमि, धारा पर पारा
पाराबार यों हलत हैं।।

(ग) दीप-शिखा है अन्धकार की
घनी घटा की उजियाली।
ऊषा है यह कमल-भृंग की
है पतझड़ की हरियाली।।

अथवा

काट अंध-उर के बंधन-स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर,
कलुष-भेद-तम हर प्रकाश भर
जगमग जग कर दे!

10+10+10=30

2. कबीरदास **अथवा** तुलसीदास के काव्य सौंदर्य पर प्रकाश डालिए। 10

3. पठित काव्यांशों के आधार पर भूषण के छंदों **अथवा** बिहारी के दोहों का सार लिखिए। 10

4. सुभद्राकुमारी चौहान **अथवा** सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

5. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए:

(क) हिंदी का उद्‌भाव;

(ख) खड़ी बोली। 5

6. किन्हीं **दो** पर टिपणी लिखिए:

(क) आदिकालीन कविता;

(ख) कृष्णभक्ति काव्य;

(ग) रीतिकाल;

(घ) प्रयोगवाद। 5+5=10

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

2019

This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper	: **1980**
Unique Paper Code	: **62051104**
Name of Paper	: **Hindi (C)**
Name of Course	: **B.A. (Prog.) OC**
Semester	: **I**
Duration	: **3 hours**
Maximum Marks	: **75**

DESHBANDHU COLLEGE
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 10×3=30

(क) मैं हताश हो, बाट जोहता रहा दिनों तक,
बाल कल्पना के अपलक पांवड़े बिछाकर।
मैं अबोध था, मैंने गलत बीज बोये थे,
ममता को रोपा था, तृष्णा को सींचा था!
अर्धशती हहराती निकल गयी है तबसे!
कितने ही मधु पतझर बीत गये अनजाने,
ग्रीष्म तपे, वर्षा झूलीं, शरदें मुसकाईं
सी-सी कर हेमन्त कँपे, तरु झरे, खिले वन।

अथवा

निज गौरव का नित ज्ञान रहे
हम भी कुछ हैं यह ध्यान रहे
मरणोत्तर गुंजित गान रहे
सब जाय अभी पर मान रहे

P. T. O.

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha

कुछ हो न तजो निज साधन को
नर हो, न निराश करो मन को।।

(ख) रावरे रूप की रीति अनूप, नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं
निहारियै।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी, अघानि कहूँ नहिं आनि
तिहारियै।
एक ही जीव हुतौ सुतौ वार्‌यौ, सुजान, सकोच औ सोच
सहारियै।
रोकी रहै न, दहै घनआनंद बावरी रीझ के हाथनि हारियै।

अथवा

कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत है, नैनन ही सों बात।

(ग) माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर,
कर का मनका डार दे, मन का मनका फेर।

अथवा

मैया! मैं नहिं माखन खायो।
ख्याल परै ये सखा सबै मिलि मेरै मुख लपटायो।।
देखि तुही छींके पर भाजन ऊंचे धरि लटकायो।।
हौं जु कहत नन्हें कर अपने मैं कैसे करि पायो।।
मुख दधि पोंछि बुद्धि इक कीन्हीं दोना पीठि दुरायो।।
डारि सांटि मुसुकाइ जशोदा स्यामहिं कंठ लगायो।।
बाल बिनोद मोद मन मोह्यो भक्ति प्राप दिखायो।
सूरदास जसुमति को यह सुख सिव बिरंचि नाहिं पायो।।

2. सूरदास वात्सल्य के सबसे बड़े कवि हैं। इस मत की परीक्षा कीजिए।

अथवा

कबीर के काव्य में नीति, उपदेश और गुरु महिमा की साखियों पर टिप्पणी लिखिए। 10

3. बिहारी **अथवा** घनानंद का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

4. 'मैथिलीशरण गुप्त मनुष्य को निराश न होने का मंत्र देते हैं।' बताइए।

अथवा

पंत की कविता 'धरती और मनुष्य के संबंधों का जयगान है'। कैसे? 10

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए:

(i) हिंदी भाषी राज्य;

(ii) हिंदी का सामान्य परिचय;

(iii) हिंदी साहित्य का आदिकाल;

(iv) हिंदी साहित्य का भक्तिकाल;

(v) रामभक्ति काव्य;

(vi) छायावाद का परिचय। 5×3=15

StudentSuvidha.com
downloaded from
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

2019

This question paper contains 2 printed pages]

DESH BANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2005**

Unique Paper Code : **62051101**

Name of the Paper : **Hindi Bhasha Aur Sahitya Ka Itihas**

Name of the Course : **B.A. (Prog.)—OC**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए)

1. हिंदी भाषा की विकास-यात्रा का आकलन कीजिये। 12

अथवा

आदिकाल के काल-विभाजन की समस्या पर विचार कीजिये।

2. संतकाव्य की मुख्य विशेषताएँ बताइये। 12

अथवा

निर्गुण भक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिये।

3. रीतिकाल के नामकरण की सार्थकता पर प्रकाश डालिये। 12

अथवा

'रीतिकाल को शृंगार काल भी कहा जाता है'—समीक्षा कीजिये।

Downloaded from StudentSuvidha.com

P.T.O.

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidh

4. आधुनिक बोध की अवधारणा का विवेचन कीजिये। 12

अथवा

हिंदी निबंध की विकास–यात्रा का उल्लेख कीजिये।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 3×5=15

(क) रासो काव्य

(ख) आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ

(ग) कबीर की भाषा

(घ) रामचरितमानस

(ङ) सूरदास की कृष्ण-भक्ति।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 2×6=12

(क) हिंदी उपन्यास

(ख) नई कविता

(ग) भारतेन्दुयुगीन कविता

(घ) हिंदी नाटक।

Downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvi

This question paper contains 2 printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **2006**

Unique Paper Code : **62051101**

Name of the Paper : **Hindi Bhasha Aur Sahitya Ka Itihas**

Name of the Course : **B.A. (Prog.)—OC**

Semester : **I**

Duration : 3 Hours Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए)

1. हिंदी का अर्थ बताते हुए मध्यकालीन हिंदी की विशेषताएँ बताइये। 12

अथवा

'रासो' काव्य की सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिये।

2. 'भक्तिकाल को हिंदी साहित्य का स्वर्णयुग कहा जाता है'—तर्क सहित उत्तर दीजिये। 12

अथवा

निर्गुण काव्यधारा में कबीर के योगदान पर विचार कीजिये।

3. रीतिकाल की परिस्थितियों का विवेचन कीजिये। 12

अथवा

रीतिमुक्त काव्य में घनानंद का स्थान निर्धारित कीजिये।

P.T.O.

Downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidh

4. आधुनिक युग की परिस्थितियों का आकलन कीजिये। 12

अथवा

हिंदी गद्य के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिये।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 3×5=15

(क) हिंदी भाषा का विकास

(ख) आदिकालीन साहित्य की विशेषताएँ

(ग) अष्टछाप

(घ) भक्तिकाल : एक स्वर्णयुग

(ङ) रीतिबद्ध काव्य।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 2×6=12

(क) भारतेन्दु युग

(ख) छायावादी कविता

(ग) नाटक और एकांकी में अंतर

(घ) महावीर प्रसाद द्विवेदी।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.c

2019

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **3342**

Unique Paper Code : 62051102

Name of the Course : **B.A.(Programme) - CBCS**

Name of the Paper : Hindi-A

Semester : I

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 75***

DESHBANDHU COLLEGE ★ LIBRARY ★ Kalkaji, New Delhi-19

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

downloaded from StudentSuvidha.com

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3=30

(क) जांनि बूझि साचहिं तजैं, करैं झूठ सूँ नेह।
ताकी संगति राम जी, सुपिनैं ही जिनि देहु।।
जैसी मुष तैं नीकसै, तैसी चालै नाहिं।
मानिष नहीं ते स्वान गति, बांध्या जमपुर जाहिं।।

P.T.O.

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.c

अथवा

मेरी भवबाधा हरौ, राधा नागरि सोय।
जा तन की झाईं परे, स्याम हरित दुति होय।।
फिरि फिरि चितु उत हीं रहतु, टुटि लाज की लाव।
अंग-अंग-छवि-झर मैं भयौ भौंर की नाव।।

(ख) नहीं ठिकाना कालिदास के
व्योम-प्रवाही गंगाजल का,
ढूँढ़ा बहुत परंतु लगा क्या
मेघदूत का पता कहीं पर,
कौन बताए वह छायापथ
बरस पड़ा होगा न यहीं पर,
जाने दो, वह कवि-कल्पित था

अथवा

अद्वितीय हर एक है मनुष्य
औ' उसका अधिकार अद्वितीय होने का
छीनकर जो खुद को अद्वितीय कहते हैं
उनकी रचनाएँ हों या उनके हों विचार
पीड़ा के एक रसभीने अवलेह में लपेट कर
परसे जाते हैं तो उसे कला कहते हैं ।

(ग) गरुड़ को दावा जैसे नाग के समूह पर दावा नागजूह पर सिंहसिरताज को।
दावा पुरहूत को पहारन के कुल पर दावा सबै पच्छिन के गोल पर बाज को।
भूषन अखंड नवखंड महिमंडल में तम पर दावा रबिकिरन समाज को
पूरब पछांह देस दच्छिन तें उत्तर लौं जहाँ पातसाही तहाँ दावा सिवराज को।

अथवा

हिमाद्रि तुंग शृंग से, प्रबुद्ध शुद्ध भारती।
स्वयंप्रभा समुज्ज्वला स्वतंत्रता पुकारती-
अमर्त्य वीर पुत्र हो दृढ़-प्रतिज्ञ सोच लो,
प्रशस्त पुण्य पंथ है- बढ़े चलो -बढ़े चलो !

2. किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

(क) भूषण

अथवा

(ख) नागार्जुन

3. 'कबीर' की साखियों का सार लिखिए। 10

अथवा

भूषण के कवित्तों का प्रतिपाद्य लिखिए।

Downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

4. 'बादल को घिरते देखा है' कविता में प्रकृति सौन्दर्य का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

'कला क्या है' कविता की मूल संवेदना बताइए।

5. किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए : 3×5=15

(क) रामभक्ति काव्य धारा

(ख) छायावाद

(ग) द्विवेदी युगीन साहित्य

(घ) रीतिकाल

(ङ) संपर्क भाषा के रूप में हिंदी

(च) खड़ीबोली

(छ) आदिकाल की विशेषताएँ

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha

This question paper contains 4 printed pages]

2019

Roll No. | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **3343**

Unique Paper Code : **62051103**

Name of the Paper : **Hindi–'B'**

Name of the Course : **B.A. (Prog.) CBCS**

Semester : **I**

Duration : **3 Hours**　　　　Maximum Marks : **75**

DESHBANDHU COLLEGE
C
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10+10+10=30

(क) सतगुर हम सूं रीझि कर, एक कह्या प्रसंग।

बरस्या बादल प्रेम का, भीजि गया सब अंग।।

अथवा

कृपासिंधु बोले मुसुकाई। सोइ करू जेहिं तव नाव न जाई।

बेगि आनु जल पाय पखारू। होत बिलंबु उतारहि पारू।।

जासु नाम सुमिरत एक बारा। उतरहिं नर भवसिंधु अपारा।

सोइ कृपालु केवटहि निहोरा। जेहिं जगु किय तिहु पगहु ते थोरा।

P.T.O.

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(ख) बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाइ।

सौंह करै भौंहनु हँसै, दैन कहै नटि जाइ।।

अथवा

रूपनिधान सुजान लखें बिन आँखिन दीठि हि पीठि दई है।

ऊखिल ज्यौं खरकै पुतरीन मैं, सूल की मूल सलाक भई है।

ठौर कहूं न लहै ठहरानि को मूदें महा अकुलानिमई है।

बूड़त ज्यौं घनआनँद सोचि, दई बिधि ब्याधि असाधि नई है।

(ग) परिचय पूछ रहे हो मुझसे

कैसे परिचय दूँ इसका!

वही जान सकता है इसको,

माता का दिल है जिसका।।

अथवा

कोई न छायादार

पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;

श्याम तन, भर बंधा यौवन,

नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,

गुरु हथौड़ा हाथ,

करती बार-बार प्रहार :

सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।

2. तुलसी की भक्ति-भावना पर विचार कीजिए। 10

अथवा

कबीर के काव्य-सौंदर्य पर विचार कीजिए।

3. घनानंद के काव्य में निहित प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

बिहारी की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

4. सुभद्रा कुमारी चौहान **अथवा** सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' का साहित्यिक परिचय लिखिए। 10

5. (क) निम्न में से किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 5

(अ) खड़ी बोली

(ब) हिंदी भाषा का उद्भव

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

(ख) निम्न में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 5+5=10

(अ) भारतेंदुयुगीन काव्य

(ब) राम काव्य की विशेषताएँ

(स) रीतिमुक्त काव्यधारा

(द) प्रयोगवाद।

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvid

This question paper contains **4** printed pages] 2019

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **3344**

Unique Paper Code : **62051104**

Name of the Paper : **Hindi-'C'**

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : **I**

DESHBANDHU COLLEGE ★ LIBRARY ★ Kalkaji, New Delhi-19

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **75**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×10=30

(क) माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर।
कर का मनका डार दे, मन का मनका फेर॥

अथवा

अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बाँक नहीं।
तहाँ साँचे चलैं तजि आपनुपौ झझकैं कपटी जे निसाँक नहीं।
घन आनंद प्यारे सुजान सुनौ इत एक तें दूसरो आँक नहीं।
तुम कौन धौं पाटी पढ़े हौ लला लेहु पै देहु छटाँक नहीं॥

P.T.O.

Downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidh

(ख) थोरे ही गुन रीझते, बिसराई वह बानि।

तुमहूँ कान्ह मनो भए, आज काल्हि के दानि॥

अथवा

मैया मैं नहिं माखन खायौ।

ख्याल परैं ये सखा सबै मिलि, मेरे मुख लपटायौ॥

देखि तुहिं सींके पर भाजन, ऊँचै धरि लटकायौ।

हौं जु कहत नान्हे कर अपनैं मैं कैसैं करि पायौ॥

मुख दधि पोंछि, बुद्धि इक कीन्हीं, दोना पीठि दुरायौ।

डारि साँटि मुसकाइ जसोदा, स्यामहि कंठ लगायौ॥

बाल-विनोद-मोह मन मोह्यौ, भक्ति-प्रताप दिखायौ।

सूरदास जसुमत कौ यह सुख, सिव बिरंचि नहिं पायौ॥

(ग) संभलो कि सुयोग न जाए चला

कब व्यर्थ हुआ सदुपाय भला

समझो जग को न निरा सपना

पथ आप प्रशस्त करो अपना

अखिलेश्वर है अवलंबन को

नर हो, न निराश करो मन को।

अथवा

निर्निमेष क्षण भर, मैं उनको रहा देखता

सहसा मुझे स्मरण हो आया, कुछ दिन पहले,

बीज सेम के रोपे थे मैंने आँगन में

और उन्हीं से बौने पौधों की यह पलटन

मेरी आँखों के सम्मुख अब खड़ी गर्व से

नन्हें नाटे पैर पटक, बढ़ती जाती है।

2. कबीरदास की सामाजिक चेतना पर विचार कीजिए।

अथवा

सूरदास की भक्ति-भावना स्पष्ट कीजिए। 10

3. घनानंद का साहित्यिक परिचय दीजिए।

अथवा

बिहारी की साहित्यिक विशेषताएँ बताइए। 10

4. 'नर हो न निराश करो मन को' कविता के माध्यम से कवि पाठकों को क्या संदेश देना चाहता है ? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'आह ! धरती कितना देती है' कविता का केन्द्रीय भाव अपने शब्दों में लिखिए। 10

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : 3×5=15

(क) हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास

(ख) आदिकाल की सामान्य प्रवृत्तियाँ

(ग) संत काव्यधारा की विशेषताएँ

(घ) कृष्ण-भक्ति काव्यधारा की विशेषताएँ

(ङ) द्विवेदी-युगीन कविता की प्रवृत्तियाँ

(च) छायावाद की सामान्य प्रवृत्तियाँ

downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuv

2019

[This question paper contains 2 printed pages.]

DEHBANDHU COLLEGE ★ LIBRARY ★ Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3376 **J**

Unique Paper Code : 62051101

Name of the Paper : Hindi Bhasha Aur Sahitya Ka Itihas

Name of the Course : **B.A. Prog.**

Semester : I

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

downloaded from StudentSuvidha.com

1. हिन्दी भाषा के विकास के मुख्य बिन्दुओं को रेखांकित कीजिए। (12)

अथवा

आदिकालीन काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. संत काव्यधारा की मुख्य प्रवृत्तियों का आकलन कीजिए। (12)

अथवा

कृष्ण भक्ति काव्यधारा की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

P.T.O.

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvid

3. रीतिबद्ध और रीतिसिद्ध का अंतर बताते हुए रीतिसिद्ध काव्य की विशेषताओं पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

4. भारतेन्दुयुगीन कविता की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। (12)

अथवा

हिंदी नाटक की विकास-यात्रा पर प्रकाश डालिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए - (5×3=15)

(क) आदिकाल का नामकरण

(ख) अष्टछाप

(ग) सूफी काव्यधारा

(घ) भक्ति आंदोलन

(ङ) रीतिकाल का नामकरण

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए - (2×6=12)

(क) आधुनिकता बोध

(ख) द्विवेदीयुगीन कविता

(ग) प्रेमचंद युगीन कहानी

(घ) प्रगतिवाद

(2000)

Downloaded from StudentSuvidha.com

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvi

2019

[This question paper contains 2 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3377 **J**

Unique Paper Code : 62051101

Name of the Paper : Hindi Bhasha Aur Sahitya Ka Itihas

Name of the Course : **B.A. Prog.**

Semester : I

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

downloaded from StudentSuvidha.com

1. हिन्दी भाषा के विकास में आदिकालीन हिन्दी पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।

2. सूफी काव्यधारा की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। (12)

अथवा

भक्ति आंदोलन के उदय पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvidha.com

3. रीतिकाल के नामकरण पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

रीतिमुक्त काव्यधारा की प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए।

4. मध्यकालीन बोध और आधुनिक बोध पर विचार कीजिए। (12)

अथवा

छायावाद की मुख्य विशेषताओं का आकलन कीजिए।

5. किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए – (5×3=15)

(क) रासो काव्य

(ख) कबीर की सामाजिक चेतना

(ग) रीतिबद्ध काव्य

(घ) राम भक्तिधारा

(ङ) हिन्दी भाषा का विकास

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए – (2×6=12)

(क) हिन्दी कहानी का विकास

(ख) हिन्दी निबंध

(ग) नव लेखन

(घ) हिन्दी गद्य का विकास

downloaded from StudentSuvidha.com
Download all NOTES and PAPERS at StudentSuvi